आत्मकथा, एक फ़ोटोग्राफ़र की

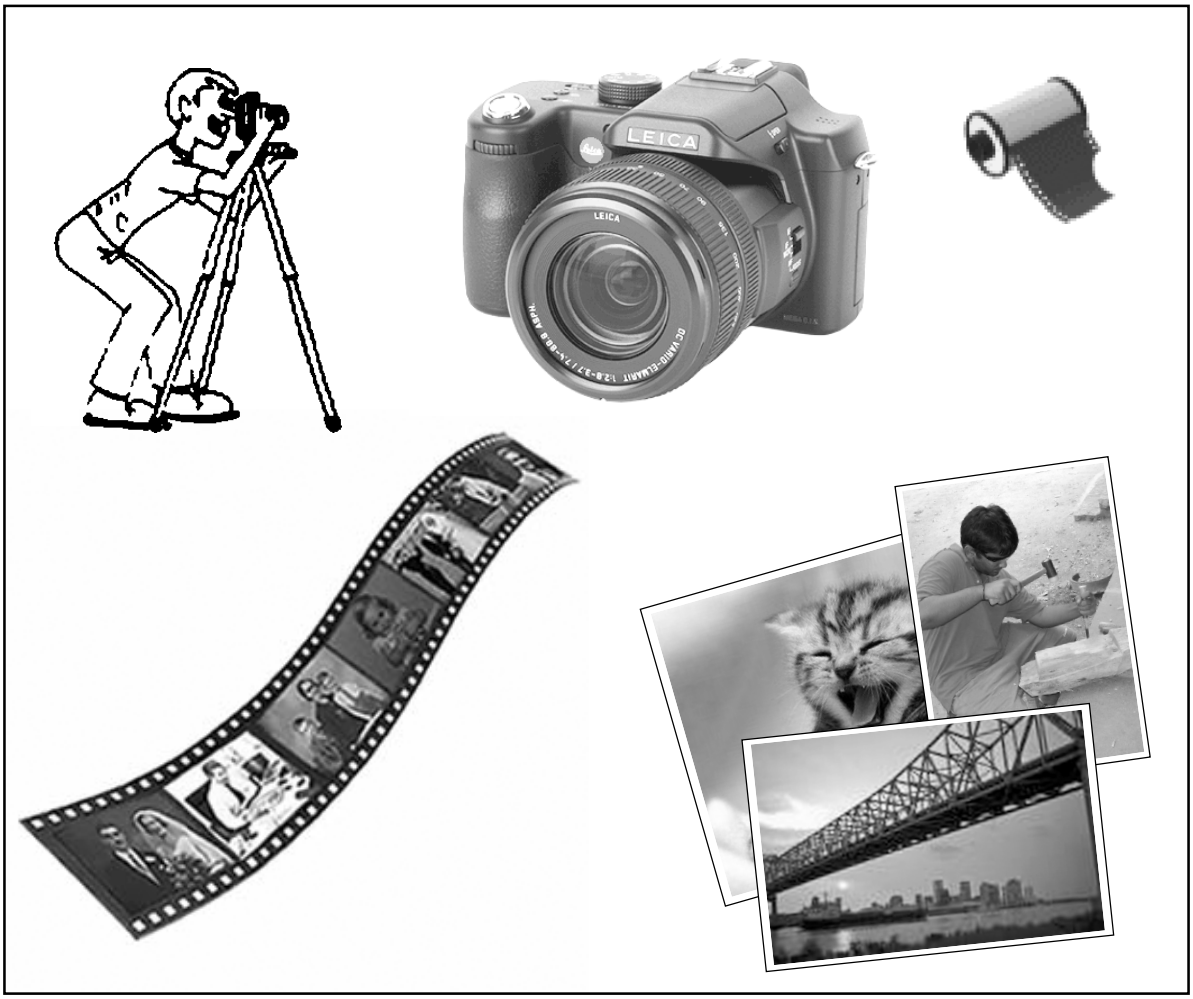

इस मास टीचर प्लस 10-13 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए अभ्यास प्रस्तुत करता है। हिन्दी की कक्षा में प्रायः अलग अलग स्तर के बच्चे रहते हैं - कुछ हिन्दी भाषी, कुछ अहिन्दी भाषी। एक ही लेख पर आधारित ये अभ्यास दोनो तरह के बच्चों की भाषा सीखने की ज़रूरतों को ध्यान में रख कर बनाए गए हैं। इन अभ्यासों का उद्देश्य बच्चों के भाषा-ज्ञान तथा बोध व चिंतन शक्ति का विकास करना है।

Worksheets prepared by Chandrika Mathur, Rishi Valley School.

1. एक आत्मकथा (autobiography) के रूप में लिखे गये इस लेख के अनुच्छेद (paragraphs) उल्टे-सुल्टे हो गए हैं। इन्हें पढ़ो और समझो।
2. क्रम के अनुसार कौन सा अनुच्छेद कहाँ आना चाहिए। सही नम्बर ○ में लिखो। हर अनुच्छेद में कुछ शब्द मोटे छपे हुए हैं, वे इस काम में तुम्हारी मदद कर सकते हैं।

परन्तु पिताजी के साथ रहने की बजाय मैं अपने भाई पॉल के साथ रहा। वह मँजा हुआ (*अपने काम में बहुत अच्छा*), उत्साही फ़ोटोग्राफ़र था। उसके सन्दूकों और अटैचियों में कपड़ों की जगह कैमरा, लेन्स, फ़िल्में और खींचे गए चित्र भरे रहते थे। वह इस तरह का पगलैट फ़ोटोग्राफ़र था। उससे मिलने तमाम दूसरे फ़ोटोग्राफ़र आते, अपना काम दिखाते, अनुभव बाँटते (*shared their experiences*) और खूब खूब उत्तेजित हो उठते।

उन दिनों टाईम्स में हर शनिवार को आधे पन्ने पर एक मज़ाकिया (*funny*) फ़ोटो छपा करता था। इत्तेफ़ाक से (*by chance*) मेरा वह चित्र चुना गया और छपा। बस शुरुआत हो गई। इसके बाद जब-जब मैंने कैमरा उठाया, मैं उसे लेकर संजीदा (*समझदार*) होता गया।

मैं बचपन से ही प्रकृति से प्यार करने वाला, बाहर घूमने-फिरने वाला इंसान रहा हूँ। मेरे पिता सिंचाई विभाग (*Irrigation Department*) में काम करते थे। हमारा परिवार नहरों व नदियों के पास बने बंगलों में रहा करता। बचपन की इन यात्राओं ने मुझ पर गहरी छाप छोड़ी।

एक दिन अचानक मैंने अपने भाई से कहा, 'मुझे एक कैमरा दो, मैं भी कुछ चित्र खींचना चाहता हूँ।' मैंने मौज में कई चित्र खींचे। इनमें से एक चित्र एक गधे के बच्चे का था - बेहद प्यारा। छोटे गधे सचमुच बहुत प्यारे और बेवकूफ़ लगते हैं। भाई ने उसे देखा और कहा, 'अद्भुत! हम इसे टाईम्स (लन्दन का एक अख़बार) को भेजेंगे।'

यह अभ्यास कक्षा को 4-5 बच्चों के गुट में बाँटकर भी करवाया जा सकता है। बच्चों के बीच जो वाद-विवाद उत्पन्न होता है वह उनके लिए लाभदायक सिद्ध होता है।

अब चूँकि पिताजी सिंचाई विभाग में थे इसलिए उनकी मुझसे भी यही उम्मीद (*expectation*) थी कि मैं भी इंजीनियर बनूँ। इंजीनियरिंग की पढ़ाई तो मैंने की, पर यह मुझे बिल्कुल रास नहीं आई (*अच्छी नहीं लगी*)। मैंने डेढ़ेक साल फ़िरोज़पुर में सरकारी नौकरी भी की, जहाँ मेरे पिताजी रहा करते थे। सेवानिवृत्ति (*retirement*) के बाद वे **दिल्ली चले गए और मैं भी वहीं आ गया।**

1965 के बाद से तो यह एक अनन्त सिलसिले में बदल गया। पहले-पहल मेरे पिता काफ़ी दुखी रहे। कोई उनसे पूछता, 'आपके कितने बेटे हैं?' तो वे कहते, 'चार! पर दो फ़ोटोग्राफ़र हैं।' बाद में जब मेरा काम ठीक से चलने लगा तो वे बहुत खुश भी हुए। काम करते-करते मैंने पाया कि मुझे फ़ोटो खींचने से बेहद प्यार है, क्योंकि कैमरे की मदद से मैं जीवन के बारे में, प्रकृति के बारे में, खुद के बारे में बहुत कुछ जानने-समझने लगा।

3. का - की - के लगा कर वाक्य पूरा करो और सही चित्र से मिलाओ

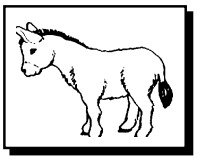

ये पॉल _____ कपड़े हैं।

यह पिताजी _____ बँगला है।

यह लन्दन _____ अखबार है।

यह पॉल _____ कैमरा है।

यह गधे _____ चित्र है।

ये रघु राय _____ फ़िल्में हैं।

यह पॉल _____ अटैची है।

यह पिताजी _____ सन्दूक है।

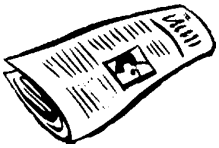

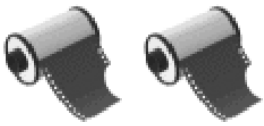

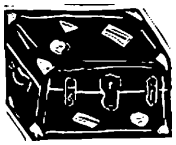

4. अब पूरा लेख पढ़ो। लेख में 6 अनुच्छेद हैं। हर अनुच्छेद का एक मुख्य भाव होता है। लेख के प्रत्येक अनुच्छेद के मुख्य भाव की कुछ संभावनाएँ (choices) बगल में दी गई हैं। उनमें से कौन सी तुम्हें सबसे सही लगती है? उस पर निशान लगाओ।

रघु राय

मैं बचपन से ही प्रकृति से प्यार करने वाला, बाहर घूमने-फिरने वाला इंसान रहा हूँ। मेरे पिता सिंचाई विभाग में काम करते थे। हमारा परिवार नहरों व नदियों के पास बने बंगलों में रहा करता। बचपन की इन यात्राओं ने मुझ पर गहरी छाप छोड़ी।

प्रकृति प्रेम
मेरा बचपन
मेरा परिवार

अब चूँकि पिताजी सिंचाई विभाग में थे इसलिए उनकी मुझसे भी यही उम्मीद थी कि मैं भी इंजीनियर बनूँ। इंजीनियरिंग की पढ़ाई तो मैंने की, पर यह मुझे बिल्कुल रास नहीं आई। मैंने डेढ़ेक साल फ़िरोज़पुर में सरकारी नौकरी भी की, जहाँ मेरे पिताजी रहा करते थे। सेवानिवृत्ति के बाद वे दिल्ली चले गए और मैं भी वहीं आ गया।

पढ़ाई व पहली नौकरी
इंजीनियर का जीवन
सिंचाई विभाग का महत्व

परन्तु पिताजी के साथ रहने की बजाय मैं अपने भाई पॉल के साथ रहा। वह मँजा हुआ, उत्साही फ़ोटोग्राफ़र था। उसके सन्दूकों और अटैचियों में कपड़ों की जगह कैमरा, लेन्स, फ़िल्में और खींचे गए चित्र भरे रहते थे। वह इस तरह का पगलैट फ़ोटोग्राफ़र था। उससे मिलने तमाम दूसरे फ़ोटोग्राफ़र आते, अपना काम दिखाते, अनुभव बाँटते और खूब खूब उत्तेजित हो उठते।

मेरा भाई पॉल
फ़ोटोग्राफ़र के सन्दूक
उत्साही फ़ोटोग्राफ़र

एक दिन अचानक मैंने अपने भाई से कहा, 'मुझे एक कैमरा दो, मैं भी कुछ चित्र खींचना चाहता हूँ। 'मैंने मौज में कई चित्र खींचे। इनमें से एक चित्र एक गधे के बच्चे का था - बेहद प्यारा। छोटे गधे सचमुच बहुत प्यारे और बेवकूफ़ लगते हैं। भाई ने उसे देखा और कहा, 'अद्भुत! हम इसे टाईम्स (लन्दन का एक अख़बार) को भेजेंगे।'

गधे का बच्चा
लन्दन का अखबार
चित्र खींचने की शुरुआत

उन दिनों टाईम्स में हर शनिवार को आधे पन्ने पर एक मज़ाकिया फ़ोटो छपा करता था। इत्तेफ़ाक से मेरा वह चित्र चुना गया और छपा। बस शुरुआत हो गई। इसके बाद जब-जब मैंने कैमरा उठाया, मैं उसे लेकर संजीदा होता गया ।

पहले चित्र का छपना
एक मज़ाकिया फ़ोटो
कैमरा उठाना

1965 के बाद से तो यह एक अनन्त सिलसिले में बदल गया। पहले-पहल मेरे पिता काफ़ी दुखी रहे। कोई उनसे पूछता, 'आपके कितने बेटे हैं?' तो वे कहते, 'चार! पर दो फ़ोटोग्राफ़र हैं।' बाद में जब मेरा काम ठीक से चलने लगा तो वे बहुत खुश भी हुए। काम करते-करते मैंने पाया कि मुझे फ़ोटो खींचने से बेहद प्यार है, क्योंकि कैमरे की मदद से मैं जीवन के बारे में, प्रकृति के बारे में, खुद के बारे में बहुत कुछ जानने-समझने लगा।

पिताजी के चार बेटे
पिताजी का दुख
अपने काम से प्यार

स्त्रोतः चकमक, बाल विज्ञान पत्रिका, दिसम्बर 2007.

5. लेख पर आधारित कुछ प्रश्न/तथ्य दिए गए हैं। इनके सही उत्तर चुनो।

1. रघु राय को _____ अधिक अच्छा लगता था।
   क. घर के अन्दर बैठे रहना
   ख. बाहर घूमना-फरना
   ग. इधर से उधर यात्रा करना

2. उनके पिताजी चाहते थे कि वे -
   क. फ़ोटोग्राफ़र बनें।
   ख. सिंचाई विभाग में काम करें।
   ग. इंजीनियर बनें।

3. दिल्ली आकर रघु राय _____ रहने लगे।
   क. अपने भाई पॉल के साथ।
   ख. अपने माता-पिता के साथ।
   ग. नदी के पास वाले बंगले में।

4. उन्होंने अपने भाई से कैमरा माँगा क्योंकि
   क. वे फ़ोटोग्राफ़र बनना चाहते थे।
   ख. उन्हें कैमरा ठीक करना आता था।
   ग. वे शौक के लिए तस्वीरें खींचना चाहते थे।

5. रघु राय का पहला चित्र _____ छपा।
   क. बुद्धवार के टाईम्स में।
   ख. 1965 के हिन्दुस्तान टाईम्स में।
   ग. शनिवार के लन्दन टाईम्स में।

6. उन्हें चित्र खींचना अच्छा लगने लगा क्योंकि
   क. उनका पहला चित्र बड़े अख़बार में छपा।
   ख. ऐसा करने से वे बहुत कुछ जानने - समझने लगे।
   ग. उनके पिताजी अब इस काम से खुश थे।

6. इन वाक्यों में से कौन सा वाक्य सही नहीं है?

1. सन्दूकों में कपड़े भरे हैं।
2. मेरे सन्दूकों काले रंग के हैं।
3. उनके सन्दूकों पर ताला लगा है।

1. ये नदियों सूख रही हैं।
2. नदियों का पानी गन्दा हो गया है।
3. नदियों में मछलियाँ कम हो गई हैं।

Photocopiable

7. ये लोग क्या क्या काम करते हैं ? उदाहरण देखकर हर चित्र के बारे में वैसे ही वाक्य बनाओ। यदि तुम्हें शब्द न आते हों तो अगले पृष्ठ पर दिए संकेतों की मदद लो।

उदाहरण -

जो फ़ोटो खींचता है उसे फ़ोटोग्राफ़र कहते हैं।

रघु राय एक मँजे हुए फ़ोटोग्राफर हैं।

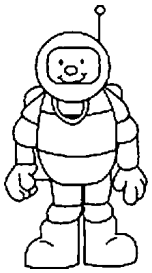

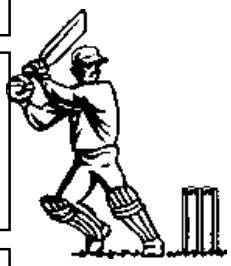

8. यह कहानी रघु राय ने ख़ुद लिखी है इसलिए उन्होंने 'मैं' का प्रयोग किया है। अब तुम रघु राय की कहानी के पहले अनुच्छेद को 'वे' का प्रयोग करते हुए दुबारा लिखो और उचित बदलाव लाओ। (वे का प्रयोग इसलिए क्योंकि वे तुम से बड़े हैं)।

वे बचपन से ही

9. यह लेख एक छोटी सी आत्मकथा के रूप में लिखा हुआ है। जब कोई अपनी आत्मकथा लिखता है तो वह अपने जीवन की मुख्य घटनाओं, संघर्षों, विचारों और किन चीज़ों को वह सर्वप्रथम मान्यता देता है, इस सबके बारे में भी लिखता है।
इस लेख को पढ़कर कक्षा में इन बातों की चर्चा करो और संक्षेप में प्रश्नों के उत्तर लिखो।

1. लेखक ने अपने जीवन की किन घटनाओं (events) का ज़िक्र किया है?

2. लेखक के जीवन में मुख्य संघर्ष (struggles) क्या रहे होंगे?

3. इत्तेफ़ाक (chance) का उनके जीवन में कब महत्व रहा है?

4. लेखक अपने जीवन से किस चीज/किन चीज़ों की अपेक्षा करते हैं?

संवाददाता, चित्रकार, वैज्ञानिक, अन्तरिक्ष-यात्री, गायक, चिकित्सी

टी.वी पर ख़बर देना, अनुसन्धान करना, अन्तरिक्ष में यात्रा करना, चित्र बनाना, गाना गाना, छोटे का खेल खेलना

10. इस पृष्ठ पर दिए चित्रों के लिए शीर्षक लिखो -

चन्द्रिका माथुर से chandrika@rishivalley.org पर संपर्क किया जा सकता है।